



# बिहार गजट

## असाधारण अंक

### बिहार सरकार द्वारा प्रकाशित

17 माघ 1945 (श10)  
(सं0 पटना 97) पटना, मंगलवार, 6 फरवरी 2024

सं०-08/आरोप-01-33/2016 सा०प्र०—23197  
सामान्य प्रशासन विभाग

संकल्प

22 दिसम्बर 2023

श्री शैलेश कुमार, बि०प्र०से०, कोटि क्रमांक-839/11, 156/23 तत्कालीन प्रखंड विकास पदाधिकारी-सह-प्रखंड कार्यक्रम पदाधिकारी, हनुमान नगर (दरभंगा) के पद पर पदस्थापन के दौरान योजनाओं के कार्यान्वयन में बरती गयी अनियमितता पर निगरानी अन्वेषण ब्यूरो द्वारा निगरानी थाना कांड सं०-08/15, दिनांक 19.01.2015 दर्ज किया गया तथा उक्त स्तर से मामले की जाँच की गयी। ग्रामीण विकास विभाग, बिहार, पटना के पत्रांक-284332, दिनांक 12.09.2016 द्वारा उक्त जाँच प्रतिवेदन की प्रति उपलब्ध करते हुए श्री कुमार के विरुद्ध अनुशासनिक कार्रवाई की अनुशंसा की गयी।

उक्त प्रतिवेदित आरोप के आधार पर विभागीय स्तर पर गठित एवं अनुशासनिक प्राधिकार द्वारा अनुमोदित आरोप पत्र की प्रति संलग्न करते हुए विभागीय पत्रांक-16008 दिनांक 01.12.2016 द्वारा श्री कुमार से स्पष्टीकरण की माँग की गयी। उक्त के आलोक में उनके द्वारा अपना स्पष्टीकरण (पत्रांक-737 दिनांक 17.12.2016) समर्पित किया गया। विभागीय पत्रांक-699 दिनांक 19.01.2017 द्वारा श्री कुमार के स्पष्टीकरण पर ग्रामीण विकास विभाग से मंतव्य की माँग की गयी। उक्त के आलोक में ग्रामीण विकास विभाग के पत्रांक-325699 दिनांक 04.09.2017 द्वारा मंतव्य प्राप्त हुआ। जिसमें श्री कुमार के स्पष्टीकरण को स्वीकार योग्य प्रतिवेदित किया गया।

तत्पश्चात विभाग द्वारा पुलिस अधीक्षक, निगरानी अन्वेषण ब्यूरो, पटना से निगरानी थाना कांड सं०-08/2015 में श्री कुमार के संलिप्तता पर मंतव्य उपलब्ध कराने का अनुरोध किया गया। अनेकों स्मार भेजे जाने के बाद निगरानी विभाग द्वारा प्रतिवेदित किया गया कि निगरानी थाना कांड सं०-08/2015 के अभियुक्त श्री शैलेश कुमार के विरुद्ध कांड अनुसंधानान्तर्गत है, अनुसंधानोपरांत फलाफल से अवगत करा दिया जायेगा। पुनः विभाग द्वारा अन्वेषण ब्यूरो से अनुसंधान प्रतिवेदन की माँग की गयी जो अबतक अप्राप्त है।

तदुपरांत पूरे मामले की समीक्षा अनुशासनिक प्राधिकार के स्तर पर की गयी। सम्यक विचारोपरांत पाया गया कि यह मामला विगत 08 वर्षों से लंबित चला आ रहा है एवं अन्वेषण ब्यूरो द्वारा अनेकों स्मार के बावजूद केवल कांड अनुसंधानान्तर्गत रहने की बात कही जा रही है। ग्रामीण विकास विभाग, बिहार, पटना द्वारा अपने मंतव्य में श्री शैलेश कुमार, बि०प्र०से० के विरुद्ध प्रतिवेदित आरोप सं०-01 से 04 के स्पष्टीकरण को स्वीकार किये जाने एवं आरोप सं०-05 से 08 तक के स्पष्टीकरण, जिसे जिला पदाधिकारी द्वारा स्वीकार योग्य होने का मंतव्य दिया गया है, से सहमत होने का निर्णय लिया गया है।

अतएव सम्यक विचारोपरांत ग्रामीण विकास विभाग के मंतव्य से सहमत होते हुए इस आरोप प्रकरण को संचिकास्त किया जाता है।

आदेश:—आदेश दिया जाता है कि इस संकल्प की प्रति बिहार राजपत्र के अगले असाधारण अंक में प्रकाशित किया जाय तथा सभी संबंधित को भेज दी जाय।

बिहार—राज्यपाल के आदेश से,  
किशोर कुमार प्रसाद,  
सरकार के विशेष सचिव।

---

अधीक्षक, सचिवालय मुद्रणालय,  
बिहार, पटना द्वारा प्रकाशित एवं मुद्रित।  
बिहार गजट (असाधारण) 97-571+10-डी0टी0पी0  
Website: <http://egazette.bih.nic.in>